>

Title : Regarding slow progress of work under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana in Supaul Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री विश्व मोहन कुमार (सुपौल): महोदया, मेरे क्षेत्र सुपौल जिले में, जो मेरा संसदीय क्षेत्र है, वहां विगत वर्ष 2008 में जो बाढ़ आयी थी, उसमें जो बहुत सारी ग्रामीण सड़कें थीं और जो प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की जो सड़कें थीं, वे सारी नष्ट हो गयीं। नरेगा के तहत जो प्रक्रियायें हैं, उसके तहत ग्रामीण सड़कें नहीं बन पाती हैं और वे नहीं बन पायी हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की जितनी सड़कें थीं, वे नष्ट हो गयी हैं। जो केंद्रीय एजेंसियां हैं, वे काम नहीं कर रही हैं। सारी एजेंसियां कहती हैं कि रिवाइज्ड एस्टीमेट नहीं हुआ है या केंद्र से कोई आदेश नहीं है, इसलिए वे इसे नहीं बना पा रही हैं। इससे हमारे क्षेत्र में सारा आवागमन ध्वस्त है। प्रधानमंत्री योजना की जितनी भी सड़कें है, अनुश्रवण समिति को कहते हैं तो वह कहती है कि जब तक रिवाइज्ड रेट नहीं होगा, हम नहीं बना पाएंगे।

मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करता हूं कि जितनी भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कें हैं, अगर अपने स्तर से केंद्रीय एजेंसी नहीं बनाती है, तो बिहार सरकार को हैंड ओवर कर दें, ताकि वह उन्हें बनवाये। नरेगा के तहत ग्रामीण सड़कें नीतियों के कारण नहीं बन पाती हैं, उसके लिए कुछ ऐसा आदेश दें ताकि जो ग्रामीण सड़कें टूटी-फूटी हैं, वे बन जाएं। धन्यवाद।